शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

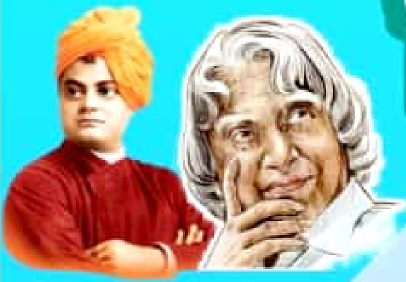

घरेलू उपयोगी उपकरण

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। # 9458278429

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

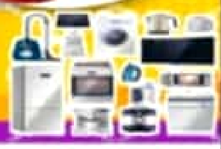

01

मोबाइल फोन

युवा और बच्चों के मन को भाता है,
सब लोगों के काम बहुत यह आता है।
पर बुजुर्गों की जल्द समझ न आता है,
हाँ, मोबाइल फोन से सबका नाता है।।

चिट्ठी बनकर लाए संदेशा, झट सूचना पहुँचाए,
कोई भी माँगो जानकारी, खोज मोबाइल लाए।
तरह-तरह के खेल खिलाए, मौज कराता,
वीडियो कालिंग से सबको सबसे मिलवाता।।

शिक्षा, रोजगार, मनोरंजन या फिर व्यापार,
मोबाइल से चलता है सबका कारोबार।
3 अप्रैल,1973 सन् में इसका हुआ आविष्कार,
अमेरिकी मार्टिन कूपर ने खोज लिया था यह उपहार।।

मोटोरोला, नोकिया, वीडियोकॉन है लावा,
मोबाइल था सन 1995 में भारत आया।
सेलफोन, फीचर फोन, स्मार्टफोन ये तीन प्रकार,
मोबाइल मशीन है इस युग में सबसे कामगार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा, बिसवाँ, सीतापुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

02

स्कूटर

विज्ञान ने किए हैं कितने ही आविष्कार
तोहफे दिए हैं इसने हमको मजेदार।
टीवी, फ्रिज, कम्प्यूटर या हो हवाई जहाज,
मोटरसाइकिल, स्कूटर और दिए हैं कार।।

इनमें से स्कूटर है इसका बड़ा प्रमाण,
1911 से पहले हुआ इसका निर्माण।
दिन या रात फर्राटे से पहुँचा दे हमें कहीं भी,
गाँव-शहर, गली-सड़क, चलता है कहीं भी।।

ट्रोसी और पिनिन ने किया इसका निर्माण,
होता है सुरक्षित यह, चलाने में बहुत आसान।
पेट्रोल, बिजली के स्कूटर मिलते हैं बाजार में,
सोलर स्कूटर को भी मिल गई है पहचान।।

जगह चाहिए कम इसको, छोटा है आकार,
विशेषतया महिलाओं के लिए हुआ आविष्कार।
पर यह स्कूटर पुरुषों को भी खूब भाया,
इसीलिए स्कूटर जन-जन का वाहन कहलाया।।

रचना- पूनम गुप्ता “कलिका”
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

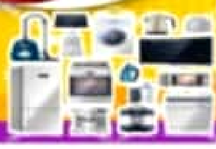

घरेलू उपयोगी उपकरण

03

एअर कंडीशनर

26 नवम्बर 1876 अमेरिका न्यूयॉर्क में,
धन्य हुए कैरियर और एलिजाबेथ आर।
जन्म दिया एक अनोखे इंजीनियर को,
नाम जिनका विलिस हैविलैंड कैरियर॥

हाईस्कूल किया बफेलो जनरल से,
और इंजीनियरिंग की कार्नेल में।
अध्ययन में थे बड़े प्रतिभाशाली ये,
तभी उपाधि धारण की स्नातक में॥

विलिस कैरियर ने एक योजना बनायी,
तब पहली एअर कंडीशन इकाई को चलाया।
1902 में अमेरिका न्यूयॉर्क में शोध किया,
तब जाकर पहला एअर कंडीशनर बनाया॥

एअर कंडीशनर को कहते ए०सी०,
जिसका काम गर्मी को दूर भगाना।
पहला विंडो और दूसरा स्प्लिट ए०सी०,
इसको दो रूपों में जाने जमाना॥

रचना
शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ०प्रा०वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

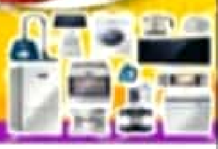

04

सिलाई मशीन

सिलाई मशीन है जटिल मशीन,
कई मशीनों से मिल बनी मशीन।
आविष्कारक अमेरिका के एलायस होवे,
सन 1846 में पेटेंट करायी सिलाई मशीन।।

यान्त्रिक उपकरण है एक ऐसा,
कपड़ों को सिल नया रूप देता।
करे धागे से या तार से सिलाई,
कपड़ा, चमड़ा, बैग, रजाई, चटाई।।

19वीं सदी तक भारत में,
सिलाई मशीन अमेरिका इंग्लैण्ड से आयी।
स्वतन्त्रता पश्चात भारत ने भी,
ऊषा उन्नत सिलाई मशीन बनायी।।

2,000 से अधिक सिलाई मशीनें,
हैं भारतीय बाजार में उपलब्ध।
काज, बटन, कसीदा, कढ़ाई, सिलाई,
हर कार्य के लिये उपलब्ध।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

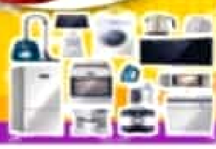

घरेलू उपयोगी उपकरण

05

प्रेस

बात करें मनुष्य की जरूरतों की,
रोटी, कपड़ा और मकान की।
कपड़े हम सबके शरीर को ढकते,
समाज में इज्जत व प्रतिष्ठा बढ़ाते।।

समय के साथ ही परिवर्तन हैं आते,
सीखें कपड़ो को कैसे सुरक्षित रखें।
सुरक्षा के बिन कमजोर हो जाते,
कपड़े कमजोर व कीड़े लग जाते।।

इलेक्ट्रिक आयरन की जब खोज हुई,
कपड़ो की ढंग से तब सिकाई हुई।
कनेक्टिंग वायर से बिजली है आती,
अन्दर की कॉइल को गर्म कर जाती।।

कपड़ो पर जब प्रेस हम करते,
कपड़े चमकदार व व्यवस्थित हो जाते।
व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते,
प्रेस से सूक्ष्म जीव व कीड़े मर जाते।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

घरेलू उपयोगी उपकरण

06

मिक्सी

बिजली से चलती छोटी मिक्सी,
बहुत काम की छोटी मिक्सी।
धनिया, मिर्च, मसाले, हल्दी,
झटपट पीसे कितनी जल्दी।।

जैली, जैम और जूस बनाती,
जो भी डालो पीस मिलाती।
मिक्सी, मिक्सर घर में लाओ,
जैसा चाहो पाउडर बनाओ।।

मिक्सी से हम जो भी मिलाते,
किचन में काम रोज हैं आते।
बहुत जरूरत घर-घर इसकी,
माडल देख खरीदो मन की।।

सिलबट का अब काम नहीं है,
जिस घर बिजली मिक्सी वहीं है।
मिक्सी मसाले सहज मिलाती,
काम बहुत वह करती जाती।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर, पहला, सीतापुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

07

लैपटॉप

निजी पोर्टेबल कम्प्यूटर की,
1968 में 'ऐलन के' ने की कल्पना।
नयी तकनीक और नया रूप लेकर,
1980 में नोटबुक कम्प्यूटर बना।।

कम्प्यूटर से यह छोटा होता,
वजन भी इसका हल्का होता।
यह लगता है नोटबुक जैसा,
बिजली में जाता कम रूपया-पैसा।।

आसानी से ले जाते इसे संग,
गोद में रखने का है इसका ढंग।
इसीलिए इसे लैपटॉप हैं कहते,
सभी क्षेत्रों में इस पर काम हैं करते।।

डिस्प्ले स्क्रीन, की बोर्ड, मिनी स्पीकर,
हार्ड डिस्क, वेबकैम, रैम और प्रॉसेसर।
टचपैड आदि होते हैं इसमें फीचर्स,
शान्ति से काम करता है 24 ऑवर्स।।

रचना-
रीना (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद-मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

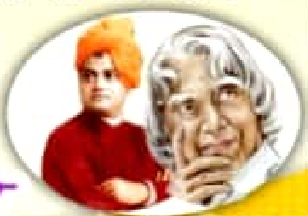

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

08

प्रेशर कुकर

भोजन बनाने में उपयोगी बर्तन होता।
वायुमण्डलीय दाब से अधिक दाब इसमें उत्पन्न होता।
1679 में 'डेनिस पापिन' ने इसे बनाया,
'स्टीम-डायजेस्टर' नाम से होटल उद्योग में भाया।।

1915 में कुकर इस आकार में घरों में आया,
यह आधुनिक कुकर का शुरूआती रुप पाया।
भोजन इसमें बहुत ही जल्दी बन जाता,
अधिक दाब के कारण जल्दी पक जाता।।

अधिक दाब पर पानी का क्वथनाँक अधिक होता,
ईंधन, समय की बचत, पानी भी कम लगता।
ताप का वितरण भोजन में समान रूप से होता,
भोजन का रस भी कुकर से बाहर नहीं आता।।

रचनाकार- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

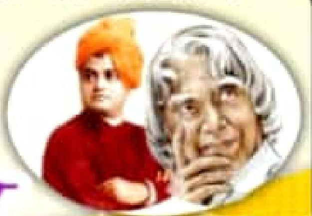

घरेलू उपयोगी उपकरण

09

पंखा

जब-जब गर्मी आती है,
पंखा की याद सताती है।
देता है ये हवा सुहानी,
दोपहर या हो शाम मस्तानी।।

एक विद्युत चालित युक्ति है,
गर्मी से दिलाता मुक्ति है।
कम दबाव उत्पन्न करता है,
अधिक हवा फेंका करता है।।

पंखुड़ी होती तीन या चार,
होते इसके छोटे-बड़े आकर।
टेबल फैन और हैं तूफानी,
इसके बिन गर्मी में परेशानी।।

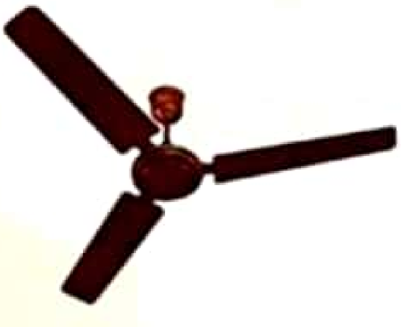

अनेक कम्पनियाँ हैं इसकी,
ओरियन्ट, ऊषा और मोदी,
बैटरी और विद्युत से चलते,
गर्मी में इससे दोस्ती होती।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन, मिश्रिख, सीतापुर

Scanned with Ca

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

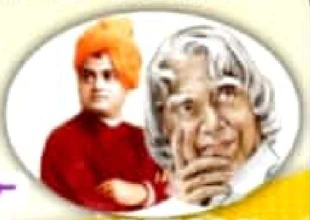

घरेलू उपयोगी उपकरण

10

गीजर

इंग्लैंड के बैंजामिन वेडी मारगन ने,
गीजर का आविष्कार किया।
सन अट्ठारह सौ नवासी में,
मानव हित का कार्य किया।।

थर्मोस्टेट, स्टेन लैस स्टील, ताँबा,
से इसकी टंकी है बनती।
इसलिए गीजर की टंकी,
जंक विरोधी है होती।।

यह विद्युत चालित भी होता,
बिजली बिल भी कम ही आता।
खतरे की कोई बात न निहित,
यह बड़ा है सुरक्षित।।

LPG, CNG से भी यह चलता,
मिनटों में पानी गर्माता।
बाथरूम के बाहर गैस सिलेंडर लगाना,
सुरक्षित जीवन को अपनाना।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पूठी
वि० क्षेत्र- किला परीक्षित गढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

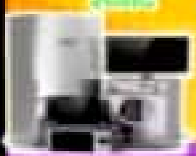

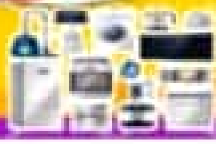

11

थर्मस

थर्मस होते प्यारे-प्यारे,
लाल, गुलाबी, नीले, काले।
जब बच्चे स्कूल को आते,
अपना थर्मस साथ लाते।।

जब भी कोई बाहर जाता,
अपने साथ थर्मस ले जाता।
जितनी जरूरत उतना रखो,
छोटे-बड़े हर साइज़ में आता।।

बच्चों के मन को यह भाए,
अलग-अलग सब थर्मस लाएँ।
स्टील, प्लास्टिक में यह आए,
आसानी से यह मिल जाए।।

ठण्डा पानी या गर्म हो चाय,
भरकर इसमें सफर में जाएँ।
ठण्डा पानी न गरम हो पाता,
काफी देर यह चल जाता।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

12

वाशिंग मशीन

अल्वा जे० फिशर ने दिखाया अपना जलवा,
कपड़े धोना आसान किया जैसे कोमल हलवा।
पहले मशीन का नाम और था कहते थे माइटी थोर,
1908 में इलियांस की हार्ले ने नाम दिया फिर और।

बन कर जब तैयार हुई वाशिंग मशीन कहलायी,
हाथों को आराम मिला हर घर में यह है छायी।
घर-घर में वाशिंग मशीन अब अपना रंग जमाए,
कपड़े धोकर साफ करे और झट से उन्हें सुखाए।

मम्मी ने भी कह पापा से वाशिंग मशीन मंगवायी,
कपड़े, पानी, सर्फ डालकर झट से बटन दबायी।
समय दस मिनट का दे डाला घर्र-घर्र शोर मचायी,
घुमा-घुमाकर रगड़-रगड़ कर अच्छी किया धुलाई।

जान निकली जाती थी पहले कपड़े मलते-मलते,
अब हाथ नहीं थकते मम्मी के कपड़े धुलते-धुलते।
साफ-स्वच्छ कपड़े पाकर अब खूब परिधान बदलते,
धन्यवाद तो कर दो भैया अल्वा जे का चलते-चलते।

रचना
पूनम देवी (शि०मि०)
कम्पोजिट विद्यालय मकनपुर
लहरपुर, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

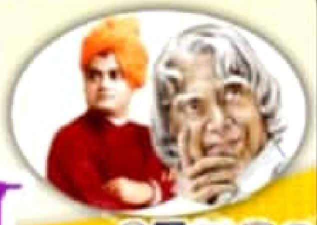

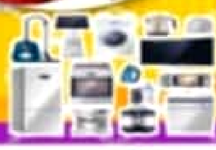

घरेलू उपयोगी उपकरण

13

दीवार घड़ी

स्विट्ज़रलैंड के जोश बरगी ने,
1577 में दीवार घड़ी बनायी।
इसके प्रयोग से जीवन में,
समय की महत्ता बतायी।।

समय का ये ज्ञान कराती,
इनको घड़ी कहते हैं।
दीवार पर ये टांगी जाती,
इसलिए दीवार घड़ी कहते हैं।।

तीन सुईयाँ इसमें हैं होती,
सेकेंड, मिनट, घण्टा बताती।
कई तरह के रूप ये लेकर,
बहुत सुन्दर-सुन्दर दिखती।।

दीवार घड़ी बड़े काम की होती,
दूर से सबको दिखायी है देती।
लगातार यह चलती रहती,
किसी को देर न होने देती।।

रचना:
माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
वि० क्षेत्र- सरधना, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

14

मोटरसाइकिल

दो पहियों वाली है ये सवारी,
लगती है सभी को बहुत प्यारी।
मोटरसाइकिल नाम है इसका,
पेट्रोल से चलना काम है इसका।।

जर्मनी इंजीनियर ने 1880 में इसे बनाया,
ग्रेड फादर क्लॉक इंजन लगाया।
गोटली डेमलर नाम था उनका,
उद्योगपति जैसा काम था उनका।।

इसे कई कम्पनियों ने है बनाया,
इसका काला रंग मुझे है भाया।
कम जगह में भी यह आ जाती,
और हर घर में ही है पायी जाती।।

हमारे सारे काम जल्दी निपटाए,
हमें टूटी सड़कों पर भी सैर कराए।
ये लाल, काले रंग में ज्यादा आए,
उचित दाम में हमें मिल जाए।।

रचना:
रचना सिंह वानिया (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
वि० क्षेत्र- रजपुरा, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

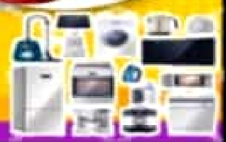

घरेलू उपयोगी उपकरण

15

टेलिविज़न

विज्ञान का अद्भुत आविष्कार,
दुनिया की खबरें दिखाए हजार।
दर्शकों को लुभाता टेलीविज़न,
जनता का करता नित मनोरंजन।।

हिन्दी में कहलाता यह दूरदर्शन,
दूर-पास की वस्तुओं के दर्शन।
घर बैठे दिखाता है टेलीविजन,
चलचित्र देख खुश होता है मन।।

जे० एल० बेयर्ड हैं आविष्कारक,
समाचार देखो चाहे धारावाहिक।
कामकाजी व्यक्ति जब थक जाता,
टेलीविज़न देख मनोरंजन करता।।

इसके कुछ लाभ तो कुछ हैं हानियाँ,
आँखों व दिमाग में हों परेशानियाँ।
शारीरिक थकान, सुस्ती भी आए,
टेलीविजन देख मन खुश हो जाए।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

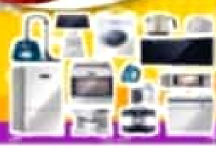

16

कार

जर्मन के इंजीनियर कार्ल बेंज़ ने,
सर्वप्रथम 1885 में कार बनायी।
लकड़ी की चार पहिया गाड़ी,
चीन ने 15 सदी में पाल से चलायी।।

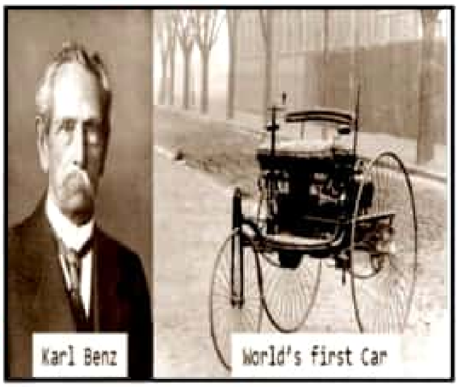

कार जीवन में उपयोगी सवारी है,
सर्दी, गर्मी, वर्षा से हमें बचाती है।
ड्राइविंग लाइसेंस लेकर,
सवारी की आज्ञा मिल जाती है।।

रंग-बिरंगी कारें लम्बी दूरी को,
कुछ घण्टों में तय कर जाती है।
पेट्रोल, डीजल, इलेक्ट्रॉनिक कार,
सड़क पर दौड़ी जाती है।।

ये सस्ती, महंगी, देशी-विदेशी होती हैं,
दुर्घटना बीमा भी इनके साथ होता है।
यातायात के नियमों का पालन कर,
आय का साधन भी इनसे होता है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना
मेरठ (उ०प्र०)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

17

इनवर्टर

बिजली जब चली जाती है,
हो जाते हैं हम परेशान।
बिजली के उपकरण रुक जाते,
बढ़ जाए हमारी थकान।।

बैटरी की सहायता से,
बिजली को पैदा करता यह।
डी०सी० को ए०सी० में बदले,
इनवर्टर कहलाता है वह।।

दो प्रकार के होते हैं,
बच्चों यह इनवर्टर।
पहला होता पावर इनवर्टर,
दूसरा होता सोलर इनवर्टर।।

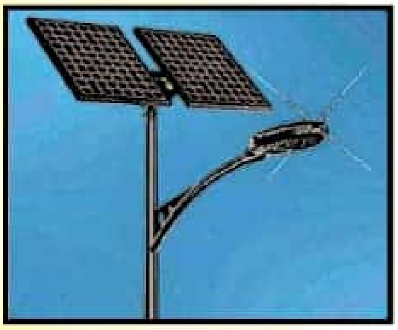

इनवर्टर में दो भाग होते
यूपीएस और बैटरी।
बिजली आती है जब,
कर देता है फुल बैटरी।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

18

गैस चूल्हा

1820 में विश्व का,
पहला गैस चूल्हा बना।
और 1836 में कारखाने की,
इंग्लैंड में हुई स्थापना।।

नई खाना पकाने की तकनीकि से,
सब काम हो गया आसान।
हलवा, पूरी, सब्जी, कचौरी,
मिनटों में पकते सब पकवान।।

जेम्स वाट ने इसे बनाया,
1826 में इसे पेटेंट कराया।
प्राइप लाइन से रसोई तक पहुँचा,
गृहिणियों को है सुख पहुँचाया।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी, खजनी, गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

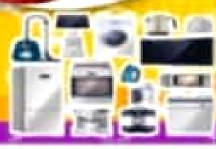

घरेलू उपयोगी उपकरण

19

रेफ्रिजरेटर (फ्रिज)

फ्रिज हमारे आधुनिक जीवन का,
बन गया है एक ज़रूरी हिस्सा।
मटका, घड़ा, सुराही ये सब हैं,
बीते जमाने का मधुर किस्सा।।

सन् 1805 मे ऑलिवर इवान्स ने,
रेफ्रिजरेटर मे बर्फ था जमाया।
1876 मे कार्ल वॉन लिंडे ने,
रेफ्रिजरेटर को बेहतर बनाया।।

इसका इस्तेमाल हमारे रोज़ के,
जीवन में बहुत आम है।
खाने पीने की चीजें गर्मी में खराब,
होने से बचाना इसका काम है।।

ठण्डा पानी चाहिए या बर्फ,
हमें इसकी ज़रुरत है होती।
आइसक्रीम भी घर में बन जाती,
बाहर जाने की ज़रुरत नहीं पडती।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

20

कूलर

जैसे ही गर्मी का मौसम आता,
हमारे घरों में यह दिख जाता।
ठण्डी-ठण्डी यह हवा खिलाए,
इसलिए यह कूलर कहलाए।

1951 में हुआ इसका अविष्कार,
शीला आर्मी हैं इसकी शोधकर्ता।
झटपट कमरे को ठण्डा कर देता,
गर्मी में बडे काम ये है आता।।

कम बिजली खपत में यह,
खूब आसानी से चल जाता।
चाहे घर हो या दफ्तर गर्मियों में,
जीवन का जरुरी हिस्सा बन जाता।।

इलेक्ट्रॉनिक से लेकर छोटे-बड़े,
विभिन्नता लिए बाज़ारों में आता है।
गर्मी से छुटकारा दिलाने में यह ठण्डक,
का आधुनिक साधन कहलाता है।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

21

ओवन

अधिक ताप व ऊष्मा से,
जो चूल्हा जाना जाता है।
बदले रूप में आज इसे,
ओवन नाम दिया जाता है।।

खाना पकाने व गर्म करने,
के लिए प्रयोग यह होता है।
सावधानी से काम न करें,
तो खतरा भी हो सकता है।।

1945 में पर्सी स्पेंसर ने,
इसका आविष्कार किया।
रसोईघर में पाक कला को,
और भी आसान बना दिया।।

डबल, सिरेमिक, पृथ्वी, गैस,
और चिनाई ओवन होता है।
स्वादिष्ट भोजन इस पर बनते,
हर परिवार मजे से खाता है।।

रचना- राजबहादुर यादव (स०अ०)
उ०प्रा० विद्यालय शुदनीपुर
वि० ख० मड़ियाहूँ, जौनपुर

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

22

रेडियो

नए-पुराने गीत जो हमें सुनाता है,
दुनिया के हाल से हमें रू-ब-रू करवाता है।
यही छोटा सा सुलभ-सुगम माध्यम,
हमारा रेडियो कहलाता है।।

1895 में अस्तित्व में आया,
गुगलीमो मारकोनी इसके जन्मदाता हैं।
रेडियो तरंग के माध्यम से चलता,
खूब मनोरंजन करवाता है।।

कभी खबरें तो कभी नाटक,
बड़े प्यार से सुनाता है।
मनपसन्द गानों की फरमाइश पूरी करता,
सबके मन को बहुत भाता है।।

केवल मनोरंजन का साधन नहीं,
रेडियो हर दिल की चाहत है।
पढ़े-लिखे हो चाहे अनपढ़,
सबका यह मन लुभाता है।।

रचना
स्वाति गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नाई
वि०क्षे० जगत, बदायूँ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

23

कम्प्यूटर

ऐसा अनोखा यन्त्र है,
गणना करता तुरन्त है।
कहते इसको संगणक,
देता सटीक हर अंक गणक।।

चित्र हमें दिखलाता है,
संगीत हमें सुनाता है।
चलचित्र हमें दिखलाता है,
हमारे काम में आता है।।

मशीन भाषा समझता है,
झट उत्तर बतलाता है।
आफिस में ये काम है आता,
प्रिंट कार्य झट कर लेता है।।

छोटा रूप कैलकुलेटर,
बड़ा रूप है डेस्कटोप।
बदला रूप ही इसका,
कहलाता है लैपटोप।।

रचना
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

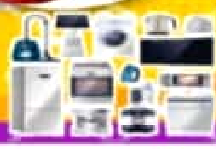

घरेलू उपयोगी उपकरण

24

बल्ब

अमेरिकी वैज्ञानिक का,
यह सफल रहा प्रयास।
विद्युत धारा कर प्रवाहित,
दिया बल्ब को प्रकाश।।

मोमबत्ती, लैंटर्न, दीपक का,
मिला सुन्दर, सुलभ विकल्प।
थॉमस ऐल्वा एडिसन ने,
बनाया जब विघुत बल्ब।।

सन् 1879 में हो पाया,
सफल बल्ब अविष्कार।
जगमग जलते बल्ब देख,
लगे कोई हो चमत्कार।।

ब्रास कैप ऊपर लगा है,
खोखला काँच बना आधार।
फिलामेन्ट से जुड़े चालक तार,
यही बल्ब का है आकार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
फ़राह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

घरेलू उपयोगी उपकरण

रचनाकारों की सूची

01- शिखा वर्मा, सीतापुर
02- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
03- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
04- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
05- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
06- सतीश चन्द्र, सीतापुर
07- रीना, मेरठ
08- नैमिष शर्मा, मथुरा
09- भुवन प्रकाश, सीतापुर
10- मोना शर्मा, मेरठ
11- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
12- पूनम देवी, सीतापुर
13- माला सिंह, मेरठ
14- रचना सिंह वानिया, मेरठ
15- मन्जू शर्मा, हाथरस
16- ऊषा रानी, मेरठ
17- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
18- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
19- ज्योति सागर, बागपत
20- नीलम भास्कर, बागपत
21- राजबहादुर यादव, जौनपुर
22- स्वाति गुप्ता, बदायूँ
23- रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ
24- फ़राह हारून, बदायूँ

तकनीकी सहयोग

1- जितेन्द्र कुमार, बागपत

2- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam